ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL
A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION
CLASS: 8

पाठ्य सामग्री

SUBJECT :Hindi DATE: 04. 05 .2020

पाठ नाम - भोलाराम का जीव

लेखक परिचय:

हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्यप्रदेश के जमानी में हुआ | वे देश के प्रसिद्ध व्यंगकार थे| इन्होंने "वसुधा" नाम की पत्रिका निकली | इनकी प्रमुख रचनाएँ-रानीनागफनी की कहानी , तट की खोज,बेइमानी की रात आदि है | इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है |

कहानी का सारांश

भोलाराम का जीव कहानी एक ऐसे शख्स की कहानी है,जिसकी मौत का कारण उसके पेंशन की रकम बन जाती है | यह कहानी है भोलाराम की, जो अपने जिंदगी के शेष दिन गरीबी और कष्ट में गुजारता है| कहानी की शुरुआत होती है यमलोक से ,जहाँ चित्रगुप्त चिंता करता है एक जीव की, जिसे यमदूत यमलोक में लाने के लिए धरती पर आते है ,और जब वह भोलाराम के जीव को यमलोक ले जाने के लिए यात्रा शुरू करते है,ठीक उसी समय भोलाराम का जीव उन्हें धोखा देकर गायब हो जाता है | यमदूत बेहाल होकर यमलोक पहुंचते है और सारी बात बताते है | यमराज चिंता में पड़ जाते है | तभी वहाँ पर नारद मुनि का आगमन होता है| वह यमराज से जब उनकी परेशानी का कारण पूछते है तब यमराज धरती पर घटित पूरी घटना के बारे में कहते है| तब नारद धरतीपर इस समस्या का हल खोजने निकल पड़ते है| वह भोलाराम की जानकारी लेकर निकल जाते है |नारद जी जैसे- तैसे भोलाराम का घर खोज निकालते है| वहाँ उनकी भेंट भोलाराम की पत्नी से होती है | तब उसकी पत्नी से नारद जीको भोलाराम के पेंशन की समस्या के बारे में पता चलताहै | अब नारद जी सरकारी दफ्तर जाते है, जहाँ उनकी मुलाकात बहुत मुश्किल से बड़े साहब से होती है | बड़े साहब उनका कामकरने के लिए "वजन" की फर्माइश करते है| लेकिन नारद जी के पास वीणा को छोड़करकुछ भी न था| अंत में नारद जी अपने वीणा को दे देते है| और जैसे ही बड़े साहब भोलाराम का फाइल खोलते है,अचानक ही आवाज़ आता है,तब पता चलता है की भोलाराम की जान उसी फाइल में अटकी हुई थी| और इस तरह से भोलाराम के जीव का पता चलता है|

<u>लघु उतरीय प्रश्न</u>- F.M -2X5=10

1.वजन से क्या तात्पर्य है? नारद जी वजन के रूप में बड़े साहब को क्या देते है?

उ.वजन से तात्पर्य रिश्वत से है |वजन के रूप में बड़े साहब को नारद जी अपनी वीणा देते है |

2.भोलाराम क्यों परेशान रहता था?

उ.भोलाराम का पेंशन बहुत सालों से अटका हुआथा,बहुत दरख्वास्त देने पर भी पेंशन शुरू नहीं हुआ था, जिस वजह से भोलाराम परेशान रहता था |

3.नारद जी भोलाराम की पत्नी से विदा लेकर कहाँ पहुँचे ? भोलाराम ने दरख्वास्त पर क्या नहीं रखा था ?

उ.नारद जी भोलाराम की पत्नी से विदा लेकर सरकारी दफ्तर पहुँचे | भोलाराम ने दरख्वास्त पर "वजन" नहीं रखा था |

4.बड़े साहब की बेटी क्या सीखती है ? फाइल में से किसकी आवाज़ आयी ?

उ. बड़े साहब की बेटी गाना सीखती है | फाइल में से भोलाराम की आवाज़ आयी |

5.स्वर्ग या नरक में निवास स्थान "अलॉट" करनेवाले कौन है ?भोलाराम कोपाँच साल से क्या नहीं मिला?

उ. स्वर्ग या नरक में निवास स्थान "अलॉट" करनेवाले धर्मराज है| भोलाराम कोपाँच साल से पेंशन नहीं मिला|

<u>शब्दार्थ-</u>

द्वार - दरवाजा

कुरूप- बदसूरत

चकमा- धोखा

आरम्भ- शुरुवात

वायु- पवन

योजना- कार्य करने की रुपरेखा

उम्र- आयु

NAME- PRITI TIWARI